सामान्य अध्ययन

drishti

निर्धारित समय: 1 घंटा 30 मिनट *Time allowed: 1 Hour 30 Minutes*	अधिकतम अंक: 125 *Maximum Marks: 125*

Name: Mithlesh Kumari

Mobile Number:

Medium (English/Hindi):

Email:

Center & Date:

UPSC Roll No.:

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

All the questions are compulsory.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Answer Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks
1.	
2.	
3.	
4.	
5.	
6.	
7.	
8.	
9.	
10.	
Grand Total (सकल योग)	

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)

Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)

Reviewer (Signature)

खण्ड - 'ड'

"प्रगतिशील समाज परंपराओं को पछाड़ देते हैं जैसे बच्चे अपने पुराने कपड़ो को छोड़ देते हैं।"

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रगतिशील समाज वह है जहाँ बदलते वक्त तथा माँग के अनुसार परंपराओं को भी बदलकर तत्कालीन आवश्यकताओं के अनुरूप ढ़ाला जाता है ताकि सामाजिक समरसता बनी रहे। बच्चें जैसे-जैसे बड़े होते जाते है वैसे ही पुराने कपड़े ~~उन्हें~~ उनके शरीर के आकार के अनुरूप फिट नही बैठतें हैं। इसलिए उन्हें पुराने वस्त्रों का त्याग करना पड़ता है या अगर पहनने लायक बनाना है तो उन कपड़ो में बदलाव लाकर उनके शरीर के अनुरूप परिवर्तित करना पड़ता है।

~~[illegible]~~ प्राचीन काल से ही सभ्यताओं का निरंतर विकास हुआ है, जिस क्रम में

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कुछ सभ्यताऐं ~~नष्ट~~ आगे चलकर नष्ट हो गई जबकि कुछ ~~[illegible]~~ सभ्यताऐं जिन्होने अपनी परंपराओं तथा मूल्यों को लोचशील बनाए रखा ~~के~~ उनका प्रभाव हमें आज भी देखने को मिलता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

"यूनान, मिस्त्र, रोमाँ मिट गए सब जहाँ से,
हस्ती ऐसी है कि मिटती नहीं हमारी।।"

प्राचीन सभ्यताऐं जैसे यूनान, मिस्र और रोम की परंपराऐं लगभग विश्व से लुप्त हो चुकी है क्योंकि उन्होने परिवर्तन को स्वीकार नहीं किया। जबकि हड़प्पा सभ्यता विश्व की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक रही है जिसका प्रभाव निरंतर बना रहा तथा आज भी भारतीय समाज में हड़प्पाकालीन परंपराऐं तथा मूल्यों को देखा जा सकता है।

हड़प्पाकालीन नगर निर्माण तथा नियोजन की पद्धति आज भी अनेक

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

2. शहरों जैसे- जयपुर, चंडीगढ़ आदि में देखी जा सकती है। सड़को का समकोण पर काटना तथा गंदे जल के निकास के लिए नालियाँ तथा मैनहोल आदि।

हड़प्पाकाल में प्रचलित प्रकृति की पूजा तथा आदि योगी की मान्यता जैसे तत्व हमें आज भी निरंतर दिखाई पड़ते है। वही भारतीय समाज की सहिष्णुता तथा सर्वधर्म समभाव की प्रकृति ने नए-नए बदलावों को स्वीकार किया तथा जैसे-जैसे नए धर्म, लोग तथा उनकी परंपराएँ आती रही उन सबको अपने में समा लिया। इसलिए भारतीय परंपराएँ आज भी जीवंत बनी हुई है।

नित नए बदलाव समाज में नई-नई क्रियाओं तथा आवश्यकताओं को जन्म देते है जिससे समाज में सामंजस्य बनाए रखने के लिए समाज की परंपराओं जिनको आगे लेकर चला नही जा सकता उन्हें छोड़ना पड़ता है तथा जिनमें परिवर्तन

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

किया जा सकता है उन्हें बदलना पड़ता है तथा कुछ नई परंपराओं तथा रुल्फों को अपनाना पड़ता है।

वैश्विक स्तर पर पहले दासप्रथा विद्यमान थी जो आधुनिक समाज में मान्य नही है इसलिए उसे छोड़ना पड़ा वहीं स्त्रियों को सभी समाजों में अधिकारप्राप्त नही थे वही आज स्त्रियों को बराबर का दर्जा दिया जाता है तथा अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रकों में उनकी भागीदारी बढ़ रही है।

भारतीय समाज में प्राचीनकाल से चली आ रही वर्णव्यवस्था तथा उसी का स्वरूप जाति व्यवस्था एवं स्त्रियों की निम्न स्थिति जो उत्तरवैदिक काल से आधुनिक काल तक इस मान्यता के साथ चली —

"ढोल, गँवार, शूद्र, पशु, नारी
सकल ताड़ना के अधिकारी।"

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इस मान्यता का परित्याग किया गया तथा महिलाओं को अधिकार प्रदान किए गए एंव 1829 में सती प्रथा को निषेध, 1856 में विधवा पुनर्विवाह को मान्यता प्रदान करी। एंव आज़ादी के लिए चलाए जा रहें स्वतंत्रता संग्राम के दौरान गाँधीजी ने अस्पृश्यता विरोधी आंदोलन चलाया तथा अछूतों को हरिजन की संज्ञा दी।

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् भारत में सभी वर्गों को समान अधिकार प्रदान किए गए तथा पिछड़े वर्गों जैसे अनुसूचित जाति एंव जनजाति और विभिन्न धर्मों के लोगों को संरक्षण प्रदान करने के लिए संविधान में अनुच्छेद 12 से 35 तक मूल अधिकार तथा अनुच्छेद 36 से 51 तक राज्य के नीति निदेशक तत्वों की व्यवस्था की गई।

वहीं SC, STs के लिए अलग से प्रतिबंध किए गए। अनुच्छेद - 330, 332

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

3\. 338, 338(A) आदि एंव पाँचवी एंव छठी अनुसूची में इनके लिए विशेष प्रावधान किए गए। तथा सिविल राइट्स एक्ट, 1955, ST, SC अत्याचार (निवारण एंव निरोधक) एक्ट, 1989, वन अधिकार अधिनियम, 2006 एंव PESA, 1996 का प्रावधान किया गया।

संविधान में इन सभी प्रावधानों को शामिल करने का उद्देश्य ही भारतीय समाज की प्रगतिशीलता को प्रेरित करना था ताकि समाज की जड़ हो चुकी परंपराओं को छोड़कर नई परंपराओं को अपनाया जा सकें।

वैश्विक स्तर पर भी हम देखते है कि ईसाई धर्म में सुधार हेतु पुनर्जागरण का दौर चला तथा कैथोलिक एंव प्रोटेस्टेंट आंदोलन ने भी योगदान किया जिससे इस धर्म को समाज की तत्कालीन आवश्यकताओं के अनुरूप ढाला गया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वही हम आज देखते हैं कि जिन समाजों ने अपनी पुरानी परंपराओं को नही छोड़ा तथा उनमें समय के अनुसार बदलाव नही किया वहाँ आज भी शोषण का दौर जारी है तथा महिलाओं की स्थिति निम्न स्तर की बनी हुई है तथा साथ ऐसे समाजों में अशांति बनी रहती है।

सातवीं ईस्वी में विकसित हुआ इस्लाम धर्म जिसकी कुछ प्रथाओं की मौलवियों द्वारा की गई अनुचित व्याख्या ने वैश्विक स्तर पर अशांति को जन्म दिया है। मिडिल ईस्ट में जिहादी विचारधारा ने आतंकवाद को जन्म दिया तथा ISIS, अलकायदा, बोको हराम जैसे संगठनों ने इन क्षेत्रों में अस्थिरता के साथ महिलाओं के खिलाफ अत्याचारों तथा वैश्विक स्तर पर आतंकवाद को प्रेरित किया है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

तीन तलाक तथा हलाला जैसी प्रथाओं ने महिलाओं की अस्मिता पर प्रश्नचिन्ह लगाए हैं तथा उनके शोषण को बढ़ावा दिया है।

इसलिए इस्लाम धर्म की अनुचित व्याख्याओं ने वैश्विक स्तर पर असंतोष के साथ-साथ इस धर्म को मानने वाले लोगों के खिलाफ विद्वेष की भावना पनपी है तथा इस धर्म के सभी लोगों को अपराधी की नजर से देखा जाता है।

समाज में प्रगतिशीलता तभी आती है जब हम बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप समाज को भी बदल सके। वैश्वीकरण की घटना ने तथा तकनीकी क्रांति ने विश्व की सभी अर्थव्यवस्थाओं को आपस में एक-दूसरे से जोड़ दिया है जिससे सभी समाजों की परंपराओं तथा मूल्यों का वैश्विक स्तर पर प्रसार हुआ है तथा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

4\. लोगों द्वारा उनमें अपने अनुसार बदलाव करके अपनाया जा रहा है। जैसे - भोजन, वस्त्र तथा त्योहार।

प्रगतिशीलता का तात्पर्य यही है कि समय के अनुसार बदलाव लाना तथा लोगों के विकास को बढ़ावा देना तथा उनके मूल्यों को सहिष्णु तथा समय की माँग के अनुसार बदलना। क्योंकि बिना बदलाव के असामंजस्य बना रहता है जिसे महान कवि 'जयशंकर प्रसाद' की पंक्तियों से समझा जा सकता है।

"ज्ञान दूर कुछ क्रिया भिन्न है, इच्छा क्यों पूरी हो मन की।
एक दूसरे से न मिल सके, यही विडंबना है जीवन की॥"

जबतक इच्छा, क्रिया और ज्ञान में सामंजस्य नहीं बनेगा तब

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

तक सभी चीजें व्यर्थ है और प्रकृति में संतुलन नहीं बन सकता है।

अभी हमें प्रकृति के क्षरण को रोकने के लिए भी समाज में प्रकृति को महत्व देने वाले मूल्यों को शामिल करना होगा ताकि जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याओं के साथ संसाधनों के दोहन को नियंत्रित किया जा सके। गांधीजी के अनुसार- "प्रकृति के पास हमारी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सबकुछ है किन्तु हमारे लालच को पूरा करने के लिए नहीं।"

इसलिए हमें प्रकृति के साथ ~~सामान्य~~ सामंजस्य स्थापित करते हुए नव निश्चयवाद की ~~आव~~ अवधारणा को अपनाना होगा। भारत में नागालैंड में नगा जनजाति द्वारा अमूर फाल्कन का संरक्षण, गुजरात में मालधारी जनजाति द्वारा एशियाई शेरों का संरक्षण तथा राजस्थान में

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

विश्नोई संप्रदाय द्वारा चिंकारा, गोडावण, खेजड़ी तथा प्रकृति का संरक्षण किया जाता है। विश्व को इन समाजों से सीखने की आवश्यकता है।

बौद्ध धर्म के विचार क्षणिकवाद जिसके तहत महात्मा बुद्ध ने कहा था कि कुछ भी नित्य नहीं है, प्रकृति में हमेशा बदलाव आता रहता है जैसे छोटा बच्चा हमेशा शारीरिक रूप से बड़ा होता रहता है तथा नए-नए विचार सीखता रहता है वैसे ही समाज भी परिवर्तित होता रहता है। इसलिए वही समाज प्रगतिशील कहलाता है जो समयानुसार अपनी परंपराओं तथा मूल्यों में बदलाव लाता रहे।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

5.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

खण्ड - 'ख'

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

"साहस यह जानता है कि किससे नहीं डरना है।"

साहस व्यक्ति को वह ऊर्जा देता है जिससे व्यक्ति यह समझ सके कि उसे कब कौनसा फैसला लेना है तथा किस समय पर किसी व्यक्ति तथा घटना के प्रति कैसा व्यवहार करना है। इसलिए साहसी व्यक्ति कठिन परिस्थितियों में भी नहीं डरते है तथा परिस्थितियों को अपने अनुकूल बनाने का निरंतर प्रयास करते है एवं समाज में या अपने खिलाफ घट रही अनुचित घटनाओं का पुरजोर विरोध करते है।

जब सुकरात को जहर का प्याला पीने के लिए दिया गया तब उनके पास भाग-कर बच निकलने का विकल्प था किन्तु उन्होंने अनुचित नियमों तथा मूल्यों का विरोध करने के लिए तथा समाज में एक नया उदाहरण

Copyright – Drishti The Vision Foundation

6.

पेश करने के लिए साहस के साथ जहर का प्याला भी लिया।

साहस व्यक्ति में एक नई उर्जा भर देता है तथा निर्णय में ~~एक~~ महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। साहस की बदौलत ही समाज में नई-नई प्रथाओं तथा मूल्यों का विकास हुआ तथा पुनर्जागरण ~~कालीन~~ खोजों के पीछे भी साहस ही काम कर रहा था। साहस ही है जिसके कारण नई-नई वैज्ञानिक खोजें हुई और आज हम तकनीक के युग में जीरहे हैं।

प्राचीनकाल में भारतीय समाज में उत्पन्न हुई बुराइयों जैसे-जातिव्यवस्था, धार्मिक आडंबर, कर्मकान्ड आदि का विरोध करने तथा समाज में संतुलन लाने के लिए दो नए धर्मों का उदय हुआ- जैन धर्म तथा बौद्ध धर्म जिसके प्रचार ~~में~~ सामाजिक संतुलन की स्थापना में

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन धर्मों के विकास में महात्मा बुद्ध तथा महावीर स्वामी ~~का~~ के साहस का ही योगदान रहा जिन्होंने महलों के सुख को त्यागकर कठिन परिस्थितियों को चुना और समाज में बदलाव लाये।

मध्यकाल में भी भक्ति आंदोलन का उदय समाज में उत्पन्न हुई अव्यवस्थाओं के विरोध में हुआ। तत्कालीन समाज के साहसी व्यक्तियों ने समाज में उत्पन्न हुई अव्यवस्थाओं को समाप्त करने तथा सामाजिक समरसता लाने का बीड़ा उठाया जैसे - कबीर, तुलसीदास, नानक, मीरा, ~~आदि~~ संत तुकाराम, एकनाथ आदि।

कबीर ने निडर होकर समाज में व्याप्त आडंबरो तथा धार्मिक बुराइयोंका जमकर विरोध किया। ~~कबीर~~ इन्होंने समान

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

भाव से सभी धर्मों पर चोट की जैसे-

"मूँड मुँड़ाए हरि मिले, सब कोई लेय मुड़ाय
बार-बार के मूँड़ते, भेड़ न बैकुण्ठ जाय।"

कबीर ने मुल्लो तथा पण्डों पर समान रूप से चोट की एवं तत्कालीन समाज में व्याप्त परिस्थितियों का विरोध किया।

मध्यकाल में महिलाओं की स्थिति बहुत ही खराब थी। उन्हें अधिकार प्रदान नहीं किए गए थे तथा समाज में प्रचलित अनेक कुप्रथाओं - सती प्रथा, विधवा प्रथा, बाल विवाह, बाल हत्या, पर्दा प्रथा आदि ने महिलाओं के शोषण को प्रेरित किया था। इन सभी बुराइयों का विरोध मीरा ने किया -

"पग घुँघरू बाँध मीरा नाची रे
मैं तो अपने नारायण की आपही हो गयी दासी रे
लोग कहें मीरा भई बावरी, न्यात कहें कुलनासी रे।"

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. मीरा के साहस ने ही उन्हें तत्कालीन समाज की बुराइयों का विरोध करते हुए भक्ति का मार्ग अपनाया तथा नारी मुक्ति की अवधारणा को प्रस्तुत किया।

आधुनिक काल में भारतीयों ने स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए अंग्रेजों का विरोध किया तथा स्वतंत्रताप्राप्ति के यज्ञ में अपनी आहुति देने से भी नहीं चूके। वहीं महात्मा गाँधी ने स्वतंत्रता संग्राम में सत्य तथा अहिंसा जैसे मूल्यों को आधार बनाते हुए भारतीय जनमानस को आंदोलन से जोड़कर अंग्रेजों का विरोध करने के लिए प्रेरित किया।

वैश्विक स्तर हुए सभी परिवर्तनों के पीछे साहस का ही योगदान रहा है। नई-नई वैज्ञानिक खोजें जिन्होंने औद्योगिक क्रान्तियों के जन्म को प्रेरित किया तथा मानवीय जीवन को

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

आसान बनाने के साथ-साथ स्वास्थ्य सुविधाओं को भी उपलब्ध कराया। थॉमस अल्वा एडीसन ने अपने साहस को बनाए रखते हुए ~~कई~~ ही सौ से ज्यादा असफल प्रयासों के बावजूद बल्ब (विद्युत) का आविष्कार किया।

कोलंबस तथा वास्को-डी-गामा के साहस की बदौलत ही उन्होंने अटलांटिक तथा हिन्द महासागर को पार करने का बीड़ा उठाया और अमेरिका तथा भारत की खोज निकाला। साहस व्यक्ति की क्षमताओं में वृद्धि करता है तथा किसी भी व्यक्ति को अपनी क्षमताओं से अवगत कराता है ताकि वो उनके अनुसार निर्णय ले सके।

साहस व्यक्ति की आत्मिक शक्ति को जगाता है तथा उसे शक्ति

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

अर्जन के लिए प्रेरित करता है। जब राम सीता को रावण के चंगुल से छुड़ाने का प्रयत्न कर रहे थे तब रावण ~~की~~ की अत्यधिक शक्ति का सामना करने के लिए जामवंत उन्हें शक्ति की प्राप्ति हेतु प्रेरित करते है —

"आराधन का दो दृढ़ आराधन से उत्तर
तुम वरो विजय संयत प्राणों से प्राणों पर
शक्ति की करो मौलिक कल्पना करो पूजन।"

तब राम शक्ति प्राप्ति हेतु प्रार्थना करते है एवं देवी शक्ति की पूजा करते है तथा देवी शक्ति द्वारा एक कमल का फूल चुराकर ले जाने के पश्चात् जब राम देखते है कि पूजा के पुष्पों में एक पुष्प कम है तो ~~वे~~ इन्हें याद आता है कि उनकी माँ उन्हें राजीवनयन ~~कहती~~ बोलती थी

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

8. तो राम पूजा के एक पुष्प की जगह
अपनी आँख निकालकर चढ़ाने को
तैयार हो जाते है यह उनका साहस
ही था जो इन्हें शक्ति की कल्पना तथा
उसकी प्राप्ति हेतु अपना चक्षु भी अर्पण
करने को तैयार कर देता है।

साहस व्यक्ति को ऊर्जा
प्रदान है इसलिए वह विपरीत
परिस्थितियों में भी निडर होकर
डटा रहता है तथा लक्ष्य प्राप्ति की
ओर अग्रसर रहता है। साहस एक
गुण है जो व्यक्ति के सर्वांगीण विकास
को प्रेरित करता है तथा साथ ही व्यक्ति
के व्यवहार को भी निर्धारित करता है।

साहस की ही बदौलत हम
आज मंगल पर जाने का सपना देखते

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

है। अंतरिक्ष की खोज तथा मिशनों
की शुरूआत को तथा अंतरिक्ष में मानव
को भेजने के पीछे साहस का ही योगदान
रहा है जिससे मानव ने चन्द्रमा पर
कदम रखा।

कॉपरनिकस तथा गैलीलियो के
साहस ने यह खोज निकाला की
पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा करती है। अन्यथा
लोगों में यही विश्वास व्याप्त था कि
पृथ्वी ब्रह्माण्ड के केन्द्र में है तथा सूर्य
पृथ्वी की परिक्रमा करता है।

मानव के साहस ने नई-नई
खोजों को प्रेरित किया और विश्व आर्थिक
सामाजिक, राजनीतिक तथा तकनीकी रूप
से सशक्त हुआ किन्तु इन खोजों ने
संसाधनों के दुरुपयोग को भी प्रेरित किया
है जैसे जलवायु परिवर्तन के साथ-साथ

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

नई-नई आपदाओं को जन्म दिया है। इसलिए इन आपदाओं से निपटने के लिए भी हमें साहस दिखाने की जरूरत है।

पर्यावरण के संरक्षण के लिए अमृता देवी विश्नोई [जिन्होंने पेड़ो को कटने से बचाने के लिए पेड़ो से लिपटकर जान देदी] के जैसे साहस की आवश्यकता है तथा जैविक, रासायनिक तथा परमाणु युद्धों तथा खतरों से बचने के लिए वैश्विक निःशस्त्रीकरण को अपनाने का साहस करना होगा। तथा वैश्विक स्तर पर समानता तथा संसाधनों के समान बंटवारे के लिए ट्रस्टीशिप के सिद्धान्त को मानके बाधक साहस अमीरों को करना होगा।

साहस व्यक्ति को निडर होकर कार्य करने तथा निर्णय लेने की

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

9. शक्ति देता है। यह व्यक्ति पर निर्भर करता है कि वह उस शक्ति का उपयोग किस दिशा में करेगा। कुछ व्यक्ति इस साहस को गलत कार्यों में भी उपयोग करते है तथा अपराधों को जन्म देते है जैसे आतंकवादी घटनाएं, मानव तस्करी, संगठित अपराध आदि।

वर्तमान में चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध ने मानवता को शर्मसार किया है ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो उसके लिए साहसिक निर्णय लिये जाने चाहिए तथा वैश्विक स्तर पर पंचशील समझौते को अपनाना चाहिए।

निष्कर्षतः हम कह सकते है साहस व्यक्ति के अन्य मूल्यों के प्रभाव को घटाता-बढ़ाता है तथा परिस्थितियों के अनुसार व्यक्ति को

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करता है ताकि मनुष्य निडर होकर अपने फैसले ले सके। और वह किस दिशा में फैसले लेगा इसका निर्धारण व्यक्ति के नैतिक मूल्य करते है। अगर उसके नैतिक मूल्य मजबूत है तो वह सही राह चुनेगा और अगर नैतिक मूल्य कमजोर है तो वह गलत राह भी चुन सकता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation